

# नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष : 10, अंक : 326

www.nationalpresstimes.com

पृष्ठ : 10

गूण्ड : 05 लप्या

RNI No : UPHIN/2015/64579

'संकट में केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का भविष्य', बृजभूषण शरण सिंह

नई दिल्ली। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी खत्म हो गई है। जिस तरह दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा के उम्मीदवारों ने अधिकांश सीटों पर अपनी जमानत जब्त कर ली, उसी तरह आने वाले समय में आप के उम्मीदवारों की भी जमानत जब्त हो जाएगी और मुकाबला केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच होगा।

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को दावा किया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की विपक्षीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के भविष्य में कोई चुनाव जीतने की संभावना नहीं है। सिंह की विपक्षीय आप की पंजाब इकाई के भीतर कथित आंतरिक असंघोष और उनके हालिया चुनावी संघर्षों के बीच आई है।

शेष पेज 2 पर

जीएसटी के तहत औसत कर 15.8% से घटकर 11.3% हुआ, वित मंत्री ने राज्यसभा में दी जानकारी



नई दिल्ली। चूख्लः वित मंत्री निर्मल सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के तहत अप्रतिशत कर इसके लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में काफी कम हुआ है। उन्होंने कहा पहले रोजमरी की वस्तुओं पर औसतन 15.8 प्रतिशत कर लगाया जाता था। अब जीएसटी के तहत दरों का औसत घटकर 11.3 प्रतिशत हो गई है।

वित मंत्री निर्मल सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के तहत अप्रतिशत कर इसके लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में काफी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि वित मंत्री ने ने समय के साथ जीएसटी के तहत दरों का औसत कर 15.8 प्रतिशत था, जीएसटी के

तहत यह अब घटकर 11.3 प्रतिशत हो गया है। पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिक भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के सांसद नवीन्युल हक की ओर से उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, वित मंत्री ने ने समय के साथ जीएसटी दरों में कमी की जानकारी दी। शेष पेज 2 पर

**लॉटरी वितरक केंद्र को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं'**

कोर्ट में केंद्र की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र की एक याचिका खारिज करते हुए कहा कि लॉटरी वितरक केंद्र सरकार को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरता और न्यायमूर्ति एन.के. सिंह की पीठ सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केंद्र की अपील से सहमत नहीं हुई।

सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को लॉटरी वितरकों से सेवा कर वसूलने से जुड़ी केंद्र की एक याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि लॉटरी वितरक केंद्र सरकार को सेवा कर देने के लिए



उत्तरदायी नहीं हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरता और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केंद्र की अपील से सहमत नहीं हुई। न्यायमूर्ति नागरता ने फैसला सुनाते हुए कहा, "चूकि इस संबंध में कोई एजेंसी नहीं है, इसलिए

प्रतिवादी (लॉटरी वितरक) सेवा कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं थे। हालांकि, प्रतिवादी संविधान की सूची कक्षी की प्रविष्टि 62 के तहत राज्य की ओर से लगाए गए जुआ कर का भुगतान करना जारी रखेंगे। दरअसल, वीटो दिनों में ट्रंप ने कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिनका

शेष पेज 2 पर

'हम अभी एआई युग के शुरूआती दौर में, यही मानवता के मार्ग को आकार देगा'

समिट में बोले प्रधानमंत्री मोदी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई की वजह से नौकरियां खत्म होने की आशंकाओं पर जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों के साथ कुत्रिम मेथा लेकर आयोजित शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने एआई के लिए संचालन व्यवस्था और मानक स्थापित करने को लेकर सामूहिक वैशिक प्रयासों का आहान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'संचालन व्यवस्था और

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।' उन्होंने एआई की वजह से नौकरियां खत्म होने की आशंकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि

इतिहास गवाह है।

शेष पेज 2 पर

एआई पहले से ही हमारी मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैशिक प्रयासों की आवश्यकता है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों का बनाए रखें, जोखियों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है, जो हमारे साथ मूल्यों



# रायन इंटरनेशनल स्कूल गाजियाबाद में इंटर रायन रीजनल एथेलिटक मीट 2024-25 आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्लूरे

गाजियाबाद। रायन इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल द्वारा 11-13 फरवरी को छत्रसाल स्ट्रेडियम नई दिल्ली में इंटर रायन रीजनल एथेलिटिक मीट-2024-25 का आयोजन बहुत ही धूमधाम और हृष्णोलास से किया गया। रायन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक डॉ. एफ. पिटो, प्रबंधन निर्देशका डॉ. ग्रेस पिटो का मुख्य उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देना है। उनके मार्गदर्शन में आयोजित इस तीन दिवसीय भव्य खेल महोत्सव के पहले दिन 11 फरवरी को विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित गणमान्य अतिथियां विजय गोयल (पूर्व राज्य खेल एवं युवा मंत्रालय), सुनीता कांगड़ा (पूर्व मेयर म्युनिसिपल कार्पोरेशन साउथ दिल्ली, स्टेट सेक्ट्री बीजेपी दिल्ली), कैप्टन अखिलेश सक्सेना (कारगिल युद्ध हीरो) के साथ मोटीवेशनल वक्ता एवं बेस्ट प्रिसिपल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित ऋचा सूद, फाउंडर



गया एवं शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत खिलाड़ियों द्वारा खेलों की गरिमा की बनाये रखने की शपथ ली गई। प्रथम दिन की खेल स्पधार्तों में मुख्य रूप से छात्रों के विभिन्न आयु वर्ग 18, 16, 14, 12, 10 के अंतर्गत 100 मी., 200 मी., 500 मी., 800 मी., 1500 मी. व 3000 मीटर दौड़ आयोजित की गईं। साथ ही लॉन्न जंप, डिसक्स थो., शॉटपुट, 4 × 100, 4 × 100 मी. रिले दौड़ प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गईं। प्रथम दिवस पर हुई खेल - स्पधार्तों में रायन गाजियाबाद की विजेता खिलाड़ियों ने अपने सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन से जीत का नया इतिहास रच दिया। विजेता खिलाड़ियों को उपरित्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा 8 स्वर्ण, 5 रजत एवं 6 कांस पदक, सर्टिफिकेट देकर पुरुस्कृत किया गया। सभी प्रधानाचार्यों के कुशल नेतृत्व में खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के खिलाड़ियों का प्रतिशत द्वारा अपने-अपने विद्यालय के घंज के साथ मार्च पास्ट ट्रुकड़ी का नेतृत्व किया हुआ।

## बिजरोल गांव में धूमधाम के साथ मनाई गई बाबा शाहमल की जयंती



नेशनल प्रेस टाइम्स ब्लूरे

बागपत। बिजरोल गांव के इंटर कॉलेज में बाबा शाहमल की 228वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इसमें क्षेत्र की अनेक जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया।

क्रांतिकारी बाबा शाहमल के वंशज एवं पूर्व कमांडो रमेश फौजी के सौजन्य से हुए कार्यक्रम में सुबह के समय हवन का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से हवन कुंड में आहुतियां डाली। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री के पी मलिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने बाबा शाहमल की वीरता पर विचार रखे। कहा कि देश व समाज के लिए किए गए कार्यों से लोगों को अवगत कराया और उनके बताये रास्ते पर चलने की अपील की। इस मौके पर टीवीएस अपाची 200 सीसी हैंड्स फ्री मोर्टरसाइकिल व्हीली प्रतियोगिता में गिनीज बुक रिकॉर्ड धारी सुमित फौजी का भी समापन किया गया। संयोजक रमेश फौजी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का फूल माला पहनाकर तथा शॉल ओढ़ाकर समाप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी राजेंद्र मलिक व संचालन पूर्व प्रधान अशोक भूत ने किया। इस मौके पर चौहान खाप के चौधरी विवेक चौहान, दांघड़ खाप के चौधरी कैप्टन विनोद, रालोद नेत्री अनुपमा चौधरी, कांग्रेस नेता ओमवीर, भुलाया नहीं जा सकता है। कहा कि उन्होंने अंग्रेजी हुक्मत के खिलाफ पोर्चा खोला था और देश की खातिर अपना सब कुछ थाम्बा चौधरी ब्रजपाल बड़ोत, थाम्बा चौधरी न्योछावर कर दिया था। उनके किससे आने वाली पांडी को बताने चाहिए, ताकि उन्हें भी

## एस के शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने किया एमआईटी मेरठ का दैरा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर हुई चर्चा

एनपीटी ब्लूरे

मेरठ। परातार बाईंपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में सोमवार को रूस की साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने दैरा किया। इस दौरे का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करना, शोध के नए अवसर तलाशना और वैश्वक शिक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना था।

प्रतिनिधिमंडल में साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमेटिक्स, मैकेनिक्स और कंप्यूटर साइंस के डीन डॉ. वासिली कालांचेव और विभागाध्यक्ष डॉ. ओलेग क्रावचेंको शामिल थे।

उन्होंने छात्रों को रूसी शिक्षा प्रणाली, शोध अवसरों और अंतरराष्ट्रीय करियर संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान संयुक्त शोध, स्ट्रॉडेंट एक्सचेंज, फैकल्टी एक्सचेंज और पाठ्यक्रम उन्नयन जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

प्रतिनिधिमंडल ने 100 से अधिक छात्रों के साथ चर्चा की और उन्हें शिक्षा व शोध सहयोग के अंतरराष्ट्रीय पहलूओं से अवगत कराया। इसके बाद एक ओलेगिंस



टेस्ट भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को रूसी विश्वविद्यालय में अगे के अवसरों को समझने का मौका मिला।

रूसी प्रतिनिधियों ने एमआईटी के अल्टायुनिक प्रयोगशालाओं, रेडियो मेरठ उपर्याक्रमों, रेडियो मेरठ उद्योगी फाउंडेशन का दैरा किया। साथ ही, उन्होंने कृषि आधारित स्टार्टअप्स से भी बातचीत की और नवाचार को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की।

वाहस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने इस दौरे को भारत-रूस के शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। वहीं, डॉ. वासिली कालांचेव ने एमआईटी के

शैक्षणिक माहौल की सराहना करते हुए, संयुक्त अनुसधान और छात्रों के लिए नए अवसर तलाशने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरे ने दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच भविष्य में मजबूत अकादमिक सहयोग की नींव रखी।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, कैप्टन निदेशक डॉ. आलेक्स चौहान, निदेशक डॉ. केप्लेए खान, प्रिसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, प्राचार्य फामेसी डॉ. नीरज कांत शर्मा, चीफ प्रॉफेसर डॉ. प्रेम किशोर गौतम, डॉ. माधुरी गुप्ता, मोहन प्रसाद, सोनल मिश्रा, डीन एकेडमिक डॉ. गोविंद शर्मा, सोनल अहलावत और रिट्रिट सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इससे पूर्व सभी चिकित्सक और

प्रार्थना संचालक, पैरामेडिकल विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न आयु वर्गों के अन्तर्गत 100 मी., 200 मी., 500 मी., 800 मी., 1500 मी. व 3000 मीटर दौड़ आयोजित की गईं। साथ ही लॉन्न जंप, डिसक्स थो., शॉटपुट, 4 × 100, 4 × 100 मी. रिले दौड़ प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गईं। प्रथम दिवस पर हुई खेल - स्पधार्तों में रायन गाजियाबाद की विजेता खिलाड़ियों ने अपने सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन से जीत का नया इतिहास रच दिया। विजेता खिलाड़ियों को उपरित्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा 8 स्वर्ण, 5 रजत एवं 6 कांस पदक, सर्टिफिकेट देकर पुरुस्कृत किया गया। सभी प्रधानाचार्यों के कुशल नेतृत्व में खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के खिलाड़ियों का प्रतिशत द्वारा अपने-अपने विद्यालय के घंज के साथ मार्च पास्ट ट्रुकड़ी का नेतृत्व किया हुआ।

गया एवं शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत खिलाड़ियों द्वारा खेलों की गरिमा की गई। प्रथम दिन की खेल स्पधार्तों में मुख्य रूप से छात्रों के विभिन्न आयु वर्ग 18, 16, 14, 12, 10 के अंतर्गत 100 मी., 200 मी., 500 मी., 800 मी., 1500 मी. व 3000 मीटर दौड़ आयोजित की गईं। साथ ही लॉन्न जंप, डिसक्स थो., शॉटपुट, 4 × 100, 4 × 100 मी. रिले दौड़ प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गईं। प्रथम दिवस पर हुई खेल - स्पधार्तों में रायन गाजियाबाद की विजेता खिलाड़ियों ने अपने सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन से जीत का नया इतिहास रच दिया। विजेता खिलाड़ियों को उपरित्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा 8 स्वर्ण, 5 रजत, 6 कांस पदक, सर्टिफिकेट देकर पुरुस्कृत किया गया। सभी प्रधानाचार्यों के कुशल नेतृत्व में खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के खिलाड़ियों का प्रतिशत द्वारा अपने-अपने विद्यालय के घंज के साथ मार्च पास्ट ट्रुकड़ी का नेतृत्व किया हुआ।

दिवाइन ग्लोबल एकेडमी में आमिभावक पेनल में कक्षा 4 से लेकर कक्षा 11 के छात्रों ने दी शिक्षण की सुंदर प्रस्तुति

सुरेन्द्र मलानिया

बड़ौत। नगर के डिवाइन ग्लोबल एकेडमी में छात्रों की बुद्धिमता स्तर की जाँच करने के लिए अभिभावक पेनल का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 4 से लेकर कक्षा 11 तक के छात्रों ने बेहद अनुशासित तरीके से कक्षा 11 के छात्रों ने बेहद अनुशासित तरीके से लेकर कक्षा 11 के छात्रों की जीत का नया इतिहास रच दिया। विजेता खिलाड़ियों को उपरित्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा 8 स्वर्ण, 5 रजत, 6 क

# संपादकीय

# टकराव टाल विकास करने का आदेश

देश को वैकल्पिक राजनीति व साफ-सुधरे प्रशासन देने के बायदे के साथ सत्ता में आई आम आदमी पार्टी का हालिया विधानसभा चुनावों में हुआ हश्र अप्रत्याशित नहीं है। निश्चित रूप से भाजपा के साधन-संपन्न बड़े संगठन और उसके केंद्र की सत्ता में होने का मुकाबला कर पाना किसी भी दल के लिये आसान नहीं था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले अन्ना आंदोलन से उपजी आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल पार्टी के पोस्टर ब्वाय के रूप में तो उभे लेकिन जब उन पर तथा उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो वे जनता की अदालत में खुद को पाक-साफ साबित नहीं कर पाये। दरअसल, पिछले एक दशक से केंद्र सरकार से लगातार टकराव, कोर्ट-कचरी और आरोप-प्रत्यारोपण से दिल्ली की जनता भी तंग आ चुकी थी। निस्सदेह, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आप ने रचनात्मक पहल जरूर की, लेकिन केंद्र सरकार व उसके प्रतिनिधि एलजी से लगातार जारी टकराव से दिल्ली का विकास अवरुद्ध होता नजर आया। लेकिन भाजपा ने जिस व्यापक स्तर पर और प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर दिल्ली का चुनाव लड़ा, उसके अप्रत्याशित परिणाम आने स्वाभाविक थे। इस तरह भाजपा ने ढाई दशक से अधिक के बनवास को खत्म कर-के सत्ता का वरण कर लिया। लेकिन 43 फीसदी मत व 22 विधायकों के साथ उभरी आप एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में जरूर रहेगी। लेकिन यह जरूर है पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल व पार्टी के नंबर दो मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन आदि अन्य धुरंधरों की हार से विधानसभा में आप की आवाज कमजोर जरूर हो जाएगी। वहीं क्यास लगाए जा रहे हैं कि इन चुनावों के परिणाम से आप का अन्य राज्यों में विस्तार प्रभावित होगा। बहुत संभव है कि आप की पंजाब सरकार पर कुछ आंच आए। लेकिन एक बात तय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के प्रदर्शन को कमजोर आंका जा रहा था, वह एक बार फिर जीत की लय में दिखायी दे रही है। उसने हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में यह करिश्मा दिखाया। इसके चुनाव में कांग्रेस का खाता न खुलना पार्टी के लिये निराशाजनक ही है। वहीं इंडिया गढ़बंधन के लिये भी यह स्थिति बेहद निराशाजनक है क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसके दो दल आप व कांग्रेस ताल ठोककर उतरे थे। इस चुनाव का एक रोचक पहलू यह भी रहा है कि अब तक मुफ्त की रेवड़ियों वाला आप का जो हथियार उसके विपक्षियों को पस्त करता रहा है, भाजपा ने उसी हथियार को आप के खिलाफ सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। खासकर महिलाओं को नकद राशि देने के भाजपा के बायदे ने गेमचेंजर की भूमिका निभायी। वहीं भाजपा के मजबूत संगठन और सशक्त चुनावी तंत्र ने तसवीर बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यहीं वजह है कि जहां भाजपा का खुशियों का कमल खिला, वहीं कांग्रेस की शून्य की हैट्रिक देश की सबसे पुरानी पार्टी को आत्ममंथन को बाध्य कर गई है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आप को अपने सबसे मुश्किल दौर में पहुंचा दिया है। साथ ही यह भारतीय राजनीतिक परिवर्ष में वैकल्पिक राजनीति के सपने के टूटने जैसा भी है। इसके अलावा अब आप नेतृत्व को पार्टी को एकजुट बनाये रखने की भी चुनौती होगी। वहीं भाजपा पर दबाव होगा कि दिल्ली में पानी, बिजली, जलभराव, सफाई की व्यवस्था बनाने के साथ ही कूड़े के ढेरों के अभिशाप से राष्ट्रीय राजधानी को मुक्त कराए। अकसर होने वाला बायु प्रदूषण का संकट दूर करना भी एक चुनौती है। यमुना की बदहाली दूर करने का संकल्प प्रधानमंत्री नंद्र मोदी ने पार्टी कार्यक्रमों के बीच विजय रैली को संबोधित करते हुए लिया है, लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसी रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीमाओं पर स्थित सभी राज्यों में पहली बार भाजपा की सरकारें सत्तारुद्ध हैं। उम्मीद है भाजपा इसे दिल्ली व एनसीआर के विकास का स्वर्णिम अवसर बनाएगी। विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार किसी व्यवधान की दलील के बिना राष्ट्रीय राजधानी के गैरव को वैश्विक मापदंडों के अनरूप ढाल पाएगी।

स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नहनता, अश्चीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्चील दृश्यों की भरमार हो रही है।

# रिटोर्न में अक्षीलता घोलता सोशल नीडिया



# मनुष्य के अस्तित्व के लिए चुनौती बनते हालात

यदि 2030 तक वनों की कटाई पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले समय में यह खर्च कई गुणा बढ़ जायेगा और कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी से पर्यावरणीय समस्याएं और विकाराल रूप धारण कर लेंगी।

आज के समय में पर्यावरण, जैव विविधता और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जो स्थिति बनी है, वह मानव के असीमित लोभ और संसाधनों की अंधी चाहत का परिणाम है। मौसम में आए अत्यधिक बदलाव, पारिस्थितिकी तत्र में गिरावट और आर्थिक-सामाजिक ढांचे में संकट इन सबका प्रत्यक्ष परिणाम हैं। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि वर्षों से पर्यावरणविद, हमें चेतावनी दे रहे थे कि यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। हम अब उस स्थिति में पहुंच चके हैं जहां से वापसी करना बहुत मशिकल है।

दुनिया के स्तर पर जैव विविधता की बात करें तो अमेरिका की ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। मानसिक रोगियों पर किये गये अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है।

वहीं, जैव विविधता वाली जमीन पर कब्जे की घटनाओं में तीव्र वृद्धि हो रही है, खासकर 2008 के बाद से। ये घटनाएं विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में हो रही हैं, जिनका असर वैश्विक स्तर पर भूमि असमानता, खाद्य असुरक्षा, किसान विद्रोह और ग्रामीण पलायन में वृद्धि कर रहा है। इस प्रवृत्ति ने छोटे और मंड़ले खाद्य उत्पादकों को संकट में डाल दिया है। मानसिक स्वास्थ्य की विशेषज्ञ प्रोफेसर एंड्रिया मेचली के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की तेज सिग्नल से स्पष्ट प्राकृतिक पर्यावरण नदीं बहिल्क उसमें

पारावट से सफ प्राकृतक पयावरण नहा, बाल्क उसम  
रहने वाले लोगों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा

A close-up photograph of a person's hands holding a small, healthy green seedling with several leaves. The seedling is nestled in a mound of dark brown soil. The hands are positioned palm-up, cradling the plant. The background is blurred, showing soft sunlight filtering through leaves, creating a bright, natural, and peaceful atmosphere.

बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं। गैरतलब यह है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देशों आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन दुख और चिंता की बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है।

जहां तक धरती का फफड़ा कहे जाने वाले दोक्षण अमेरिका के अमेजन बेसिन के बहुत बड़े भूभाग पर फैले

A close-up photograph of a person's hand holding a small, young plant in a small terracotta pot filled with dark soil. The plant has several green leaves. The background is blurred, showing more greenery and sunlight filtering through leaves, creating a soft, natural feel.

अमेजन के बवा बना का सवाल है, व बिनाश के कान पर हैं। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, बनों की अंधाधुंका कटाई और जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं के चलामेजन के जंगल खतरे के दायरे में हैं।

दरअसल, दुनिया में जंगलों का सबसे ज्यादा विनाउ ब्राजील में हुआ है और यह सिलसिला आज भी जारी है। उसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो और बोलीविया का नम्बर आता है। यदि मैरीलैंड यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के ग्लोबल बाच की हालियाँ रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में साल 2023 में 37 लास हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गये।

भारत में बात 30 वर्षों में जगला का कटाइ में भाबुद्धोतरी हुई है। भले ही इसके प्राकृतिक कारण हों तो

मानवीय। इसमें देश के पांच राज्यों यथा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखण्ड, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश शीर्ष पर हैं जहां देश में आग से सबसे ज्यादा जंगल तबाह हुए हैं। यह सिलसिला आज भी जारी है।

यदि ग्लासगो में हुए कॉप-26 सम्मेलन की बात करें तो इसमें दुनिया के 144 देशों ने 2030 तक इन जंगलों को बचाने का संकल्प लिया था। गैरतलब है कि यदि दुनिया में वनों की कटाई पर रोक लगायी जाती है तो एक अनुमान के आधार पर उस हालत में 900 अरब डालर की रकम खर्च होगी। जबकि अभी दुनिया में जंगलों को बचाने पर सालाना तीन अरब डालर की राशि खर्च की जा रही है। कैब्रिज यूनिवर्सिटी की कंजरवेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट की वैज्ञानिक के अनुसार जंगलों को बचाने के लिए दुनियाभर की सरकारों को सालाना 130 अरब डालर खर्च करने होंगे। यदि 2030 तक वनों की कटाई पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले समय में यह खर्च कई गुण बढ़ जायेगा और कार्बन उत्पर्जन में बढ़ोतरी से पर्यावरणीय समस्याएं और विकराल रूप धारण कर लेंगी। चिंता की बात यह है कि वैज्ञानिकों की इस बारे में एकमुश्त राय है कि ऊर्जा, उत्पाद और दूसरी सामग्रियों के लिए दुनियाभर की कंपनियों की नजर जैव विविधता पर है। अनुमान है कि जैव विविधता के दोहन के लिए दुनियाभर के देश 2030 तक 400 अरब डालर का निवेश करेंगे जो मौजूदा समय से 20 गुण ज्यादा होगा।

दरअसल, जैव विविधता को संरक्षित करने में बन की उपयोगिता जगजाहिर है लेकिन विडम्बना है कि हम उन्हीं के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। बीते तीन दशक इसके सबूत हैं कि उनमें हमने तकरीबन एक अरब बन मानवीय स्वार्थ के चलते खत्म कर दिये हैं। हम यह क्यों नहीं समझते कि यदि अब भी हम नहीं चेते तो हमारा यह मौन हमें कहाँ ले जायेगा और क्या मानव सभ्यता बच्ची रह पायेगी?

# डीएम के औचक निरीक्षण से सदर तहसील में गंगा हड़कंप, गंदगी देख लगाई अधिकारियों को कड़ी फटकार

नेशनल प्रेस टाइम ब्लूरो



मथुरा। जिलाधिकारी द्वारा किए गए सदर तहसील के औचक निरीक्षण में जगह-जगह कूड़े के डेर दिखाई दिए जिनको देखकर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। समूचे परिसर का उन्होंने भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान देखा कि एसडीएम ऑफिस के समीप ही लोग खुले में टॉयलेट कर रहे थे। इस बीच निरीक्षण के दौरान एक पीड़ित व्यक्ति ने उनको बताया कि तहसील कर्मचारियों ने मुझको मृत दिखाकर मूर्टेशन कर दिया है जिसको सुनकर वह सन्न रह गए। उन्होंने तत्काल तहसीलदार को आदेश दिए कि इस मामले में लेखपाल द्वारा की गई कार्रवाई की जांच कराकर उनका अविलंब रिपोर्ट प्रेषित की जाए। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह सोमवार को दोपहर अचानक सदर तहसील जा पहुंचे। उन्होंने तहसील के विभिन्न पटलों

का निरीक्षण किया। रजिस्ट्रार कानूनगो (आर.के) पटल पर आदेशों को प्रतिदिन दर्ज किया जाए। उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं पंजिकारों का अवलोकन किया, तहसील में न्यायालयों से जारी आदेशों के रजिस्टर एवं खत्तैनी में दर्ज किए जाने का भी सत्यापन किया। जिलाधिकारी ने तहसील हवालात, रिकॉर्ड रूम, कंप्यूटर रूम को देखा तथा वरियादियों को जांच। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर वैभव कुमार, तहसीलदार सदर सौरभ यादव तथा नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि कोर्ट से जारी होने वाले तहसील आए वादी, प्रतिवादी तथा फरियादियों से चर्चा कर तहसील का फीडबैक लिया।

जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने उप जिलाधिकारी सदर वैभव कुमार, तहसीलदार सदर सौरभ यादव तथा नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि कोर्ट से जारी होने वाले तहसील आए वादी, प्रतिवादी तथा फरियादियों से चर्चा कर तहसील का फीडबैक लिया।

## कोर्ट से स्टे लेने के बाद उप निर्बंधन व बाबुओं ने पदभार संभाला

मथुरा। बीते दिनों उप

निर्बंधन कार्यालय में मूल

डीड देवी से देने में निलंबित

किए गए उप निर्बंधक और

दो बाबुओं ने फिर से पदभार

संभाल लिया है। शासन द्वारा

जारी आदेश पर कोर्ट से स्टे

लेने के बाद उन्होंने यह

कदम उठाया है। दरअसल,



पूर्व चेयरमैन पप्पू खा की से मूलाकात करने दिल्ली पहुंचे, पूर्व चेयरमैन पप्पू खा ने सबसे पहले सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी से उनके आवास पर पहुंचकर मूलाकात की उसके बाद सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी अपने साथ उन्हें संसद भवन ले गए और वहां पर कुछ सांसदों से मूलाकात कराई। सोमवार की शाम को घोसी लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय के आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने उनके बाबत एक बाबु को बाबुओं में रहकर ही इवादत करें। त्योहारों पर किसी भी तरह की हड़कंप नहीं किया जाए। अराजक तत्वों के बारे में समय से पुलिस को जानकारी दे ताकि किसी भी अनहोनी पर समय से नियंत्रण किया जा सके। निरीक्षक संजय सिंह, व्यापारी नेता महेश गुप्ता, मंजूलता शर्मा, फरमान अब्बासी, आकाश, अनू रावत, मौलाना जावेद, पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अफताब, संस्थापक अंकित गुप्ता, महासचिव सिफत मिया, संरक्षक सखावत मिया, उपाध्यक्ष एहसान खान, राजीव भट्टनागर, विशाल जोशी आदि रहे।

एनपीटी, ब्लूरो

आगरा। जिला सैनिक

कल्याण अधिकारी कैप्टन

सुनील कुमार अ०प्र० ने

तहसील खेरागढ़ क्षेत्र के

भूपूर्व सैनिक / विधवाएं /

वाँची नारी एवं उनके अश्रितों

को सूचित करते हुए अवगत

कराया है कि जिला सैनिक

कल्याण

अधिकारी

कार्यालय का भ्रमण का

कार्यक्रम दिनांक 12

फरवरी 2025 को अपरान्ह

11:30 बजे प्रस्तावित है,

जिसमें जिला सैनिक

कल्याण एवं पुनर्वास

अधिकारी अपनी टीम के

साथ तहसील में उपस्थित

रहे हैं। उन्होंने भूतपूर्व

सैनिक/विधवाएं/वीर नारी

एवं उनके अश्रितों से

आग्रह किया है कि उनके

कार्यालय से दी जा रही सभी

ने पूर्व अध्यक्ष पप्पू खा की

समाजवादी पार्टी के लिए

क्षेत्र में काम करने तथा लोगों

की खिदमत करने को आदेश

कर दिया। इसके बाद उन्होंने

समाजवादी पार्टी के आदेश

को लिया। उन्होंने उपस्थित

रहे हैं। उन्होंने उपस्थित











## क्यासबाजी के बीच जेपी नड़ा से मिले नवनिर्वाचित विधायक, 10 में से चुना जाएगा मुख्यमंत्री!

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव में जीत के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। ऐसे में जेपी नड़ा से मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। उधर, उपराज्यपाल वीक सक्सेना से भी कई नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने मुलाकात की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। जिसके बाद पार्टी के 10 नवनिर्वाचित विधायकों ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड़ा से मुलाकात की। मंगलवार को पार्टी के 10 नवनिर्वाचित विधायकों की मुलाकात हुई। इसमें वैसे भी विधायक शामिल रहे जिनके नाम मुख्यमंत्री पद का संभावित दावेदार बताया जा रहा है।



हालांकि भाजपा के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह एक औपचारिक मुलाकात थी।

**कौन-कौन रहा शामिल?**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात करने वालों में भाजपा

सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। ऐसे में जेपी नड़ा से मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। उधर, उपराज्यपाल वीक सक्सेना से भी कई नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने मुलाकात की है। इसमें प्रवेश वर्मा, कैलाश गहलोत, अरविंद सिंह लवली, विजेंद्र गुप्ता समेत कई विधायक शामिल हैं। पिछले दिनों जेपी नड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा इस दैरान हुई। भाजपा सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के विदेश दौरे से से आने के बाद होगा।

उपराज्यपाल ने भी की मुलाकात विधायक विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंद सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा, डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्र और कुलवंत राणा शामिल रहे।

उपराज्यपाल ने भी की मुलाकात

## दिल्ली में भाजपा महिलाओं को कब से देगी 2500 और किसको मिलेगा ये लाभ

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता में वापसी हो रही है। अब दिल्ली में रहने वाली महिलाओं के मन में बहुत से सवाल खड़े होने शुरू हो गए।

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता में वापसी हो रही है। अब दिल्ली में रहने वाली महिलाओं के इंतजार है कि कब उन्हें हर महीने ढाई हजार रुपये मिलेंगे। जहां आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी ने बहुत सारी वाली महिलाओं के मन में सवाल आ रहा है कि उन्हें कब से ढाई हजार रुपये मिलना शुरू होगे। यहां आम आदमी पार्टी की वाली महिलाओं के लिए हर महीने एक हजार रुपये के मिलना शुरू होगे। यानी जा रहा है कि मार्च में इस योजना को डाई हजार रुपये से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस से महिलाओं को ढाई हजार रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। यानी इस आधार पर कह सकते हैं कि मार्च में योजना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

किन महिलाओं को मिलेगा  
भाजपा ने दिल्ली चुनाव के पहले अपने मेनिफेस्टो में सरकार बनने पर ढाई हजार रुपये देने का एलान किया था। अब जब दिल्ली में भाजपा को बहुमत मिल चुका है और सरकार बनाने की तैयारी है। ऐसे में दिल्ली की महिलाओं के मन में सवाल आ रहा है कि उन्हें कब से ढाई हजार रुपये मिलेंगे। जहां आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में वापसी हो रही है। अब दिल्ली की महिलाओं के मन में बहुत से सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी ने बहुत सारी वाली महिलाओं के मन में सवाल आ रहा है कि उन्हें कब से ढाई हजार रुपये मिलना शुरू होगे। यानी जा रहा है कि मार्च में इस योजना को डाई हजार रुपये से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस से महिलाओं को ढाई हजार रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। यानी इस आधार पर कह सकते हैं कि मार्च में योजना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

## दिल्ली में आपके पास कितने विधायक? भगवंत मान ने कांग्रेस पर किया पलटवार

दिल्ली। कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कांग्रेस नेता और पंजाब विधानसभा में विषय के नेता प्रताप सिंह बाजवा के आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई में हैं और उनके किन्तु विधायक हैं।

मान ने कहा कि पाला बदलना कांग्रेस की संस्कृति है; वे दूसरों के बारे में बात करते हैं लेकिन अपनी चिंता नहीं करते। इसके साथ ही मान ने कहा कि पंजाब की कानून-

व्यवस्था ज्यादातर राज्यों से बेहतर है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण हमें अंतिरिक्त प्रयास करने होंगे और हम वह कर रहे हैं। कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं।

मान ने कहा कि पाला बदलना कांग्रेस की संस्कृति है; वे दूसरों के बारे में बात करते हैं लेकिन अपनी चिंता नहीं करते। इसके साथ ही मान ने कहा कि पंजाब की कानून-

व्यवस्था ज्यादातर राज्यों से बेहतर है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण हमें अंतिरिक्त प्रयास करने होंगे और हम वह कर रहे हैं। कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं।

बाजवा ने कहा था कि इन विधायकों को एहसास हो गया है कि आप के साथ रहना लंबे समय

में जारीनीतिक रूप से फायदेमंद नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता के दावों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, बाजवा वह बात कहते रहे हैं। उन्हें हमारे विधायकों की गिनती नहीं करनी चाहिए बल्कि यह देखना चाहिए कि दिल्ली में कांग्रेस के किन्तु विधायक हैं। मान ने कहा कि आप नेता बिना किसी लालच के समर्पित नेता हैं। मुख्यमंत्री मान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के किन्तु विधायक हैं।

कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं।

बाजवा ने कहा कि इन विधायकों को एहसास हो गया है कि आप के साथ रहना लंबे समय

में जारीनीतिक रूप से फायदेमंद नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता के दावों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, बाजवा वह बात कहते रहे हैं। उन्हें हमारे विधायकों की गिनती नहीं करनी चाहिए बल्कि यह देखना चाहिए कि दिल्ली में कांग्रेस के किन्तु विधायक हैं। मान ने कहा कि आप नेता बिना किसी लालच के समर्पित नेता हैं। मुख्यमंत्री मान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के किन्तु विधायक हैं।

कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं।

बाजवा ने कहा कि इन विधायकों को एहसास हो गया है कि आप के साथ रहना लंबे समय

में जारीनीतिक रूप से फायदेमंद नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता के दावों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, बाजवा वह बात कहते रहे हैं। उन्हें हमारे विधायकों की गिनती नहीं करनी चाहिए बल्कि यह देखना चाहिए कि दिल्ली में कांग्रेस के किन्तु विधायक हैं। मान ने कहा कि आप नेता बिना किसी लालच के समर्पित नेता हैं। मुख्यमंत्री मान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के किन्तु विधायक हैं।

कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल में दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 30 से अधिक विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और पाला बदल सकते हैं।

बाजवा ने कहा कि इन विधायकों को एहसास हो गया है कि आप के साथ रहना लंबे समय

में जारीनीतिक रूप से फायदेमंद नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता के दावों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, बाजवा वह बात कहते रहे हैं। उन्हें हमारे विधायकों की गिनती नहीं करनी चाहिए बल्कि यह देखना चाहिए कि दिल्ली में कांग्रेस के किन्तु विधायक हैं। मान ने कहा कि आप नेता बिना किसी लालच के समर्पित नेता हैं। मुख्यमंत्री मान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के किन्तु विधायक हैं।

कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल